

**Shri Gauri Shankar Kakkar:** Let it come during this session.

**श्री बागड़ी :** यह बहुत ग्रहम मसला है।

**अध्यक्ष महोदय :** मैं भी इस की ग्रहमियत समझता हूँ। इसीलिये तो मैंने कहा कि अगर गवर्नमेंट को इस का जवाब देना है तो उसे जल्दी से जल्दी हाउस के सामने दिया जाये।

**श्री कछवाप :** मेरे सवाल का जवाब नहीं मिला।

#### Incidence of Crimes in Delhi

	+
*803.	Shri Yashpal Singh:
	Shri Ram Sewak Yadav:
	Shri Bagri:
	Shri P. E. Chakraverti:
	Shri Heda:
	Shri Rameshwar Tantia:
	Shri Buta Singh:
	Shri Inder J. Malhotra:
	Shri Daji:
	Shri S. M. Banerjee:
Shri Surendra Pal Singh:	
Shri Sham Lal Saraf:	
Shri Ram Harkh Yadav:	
Shri Kachhavalaya:	

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that incidence of crimes is increasing daily in the Capital;

(b) whether it is a fact that the number of untraced criminals is higher than that of the traced ones; and

(c) if so, the steps Government have taken in the matter?

**The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hajarnavis):** (a) to (c). A statement is laid on the Table of the House.

#### Statement

(a) Figures of registered crime have shown an increase from 14,918 in 1960

to 15,629 in 1961 and 18,341 in 1962. It would not be correct to infer from these figures, however, that incidence of crime is increasing. Much of the rise is explained by deliberate efforts made by police to ensure full registration of cases during the last two years.

(b) It is not possible to relate the number of traced criminals to untraced criminals. However, the majority of cases are detected and the average detections are approximately 57 per cent.

(c) Among the important steps to check crime in Delhi are:

- (1) The working of Delhi Police has been exhaustively reviewed and substantial increases in strength sanctioned so as to intensify patrolling and surveillance;
- (2) Mobile patrols by cars and cycles have been increased and is likely to be increased further shortly;
- (3) Mobility of police has been improved by providing it with additional vehicles and radio communication facilities;
- (4) The level of investigating staff at all Police Stations is being upgraded; and
- (5) More intensive use is being made of scientific techniques for the detection of crime.

**श्री यशपाल सिंह :** क्या मैं जान सकता हूँ कि प्रेस को यह रिपोर्ट सही है या नहीं कि दिल्ली में रोजाना एक आत्महत्या का केस होता है ?

**गृह-कार्य मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) :** जी नहीं, आत्महत्या का यहाँ पर रोज एक केस होता है, मेरे, ऐस, जानकार, नहीं है।

**श्री यशपाल सिंह :** क्या मैं जान सकता हूँ कि यहाँ रजिस्टर्ड क्राइम्स केसेज कितने होते हैं और अनरजिस्टर्ड कितने होते हैं ?

**अध्यक्ष महोदय :** अन्तरजिस्टर्ड कैसेज जो हैं उन के बारे में मंत्रो महोदय कैसे बतला सकते हैं ?

**श्री लाल बहादुर शास्त्री :** शायद माननीय सदस्य को यह जानने की इच्छा है कि क्या कुछ ऐसी छोटी मोटी क्राइम्स हैं जिनको रजिस्टर नहीं किया जाता ?

**श्री यशपाल सिंह :** नहीं, जिन को रिपोर्ट लिखने से पुलिस इनकार करती है।

**श्री लाल बहादुर शास्त्री :** मेरी समझ में माननीय सदस्य ने सवाल गलत पूछा था। बहरहाल इस के अंकड़े बतलाने में तो देर लगेगी लेकिन इधर मैं ने खास तौर पर इस बात को हिदायत दी है कि छोटे मोटे जुर्म जो आम तौर पर दर्ज नहीं किये जाते वे भी दर्ज किये जायें। आप देखेंगे कि क्राइम के अंकड़े बढ़ने की एक खास वजह यह भी है।

**श्री बागड़ी :** क्या मंत्रो महोदय बतलाने की कृपा करेंगे कि जो यह जुर्म बढ़ते जा रहे हैं उन को रोक थाम के लिये क्या पुलिस के अन्दर कुछ परिवर्तन करने का सरकार का विचार है ? और अगर है तो जो लोग बम कैसेज के अन्दर तहकीकात के लिये खास तौर पर लगाये गये थे, और जो तहकीकात नहीं कर सके उन को जांच पड़ताल करने का भी क्या सरकार का विचार है ?

**श्री लाल बहादुर शास्त्री :** माननीय सदस्य ने दो सवाल मिला दिये हैं। जहां तक जुर्मों के बढ़ने का और उन को रोकने वगैरह का सवाल है, उस के सम्बन्ध में कई ऐसे कदम उठाये जा रहे हैं जिन से उन को रोकने में मदद मिलेगी, जैसे कि जांच पड़ताल का काम जो अब तक असिस्टेंट सब इन्स्पेक्टर करते थे, सब इन्स्पेक्टर भी नहीं, असिस्टेंट सब इन्स्पेक्टर आदि करते थे, उन के बजाय हम ने सब इन्स्पेक्टर और इन्स्पेक्टर को इस के लिये रक्खा है। दूसरी बात यह है कि रफ्तार पुलिस की तेज हो, आमद रफ्त, आना जाना,

मौके पर पहुंचना, उस को मोबिलिटी अच्छा हो, इस के लिये भी हम ने साधन कुछ ज्यादा मुहैया किये हैं, वायरलेस सेट्स वगैरह का इन्तजाम किया है ताकि एक दूसरे से बराबर सम्पर्क रक्खा जा सके और भी दूसरे कदम उठाये गये हैं। जहां तक फ्रैकर्स का सवाल है, मेरी रिपोर्ट यह है कि जो स्कैड इस सम्बन्ध में काम कर रहा है उसने काफी अच्छा काम किया है इस बीच में, और हम आशा करते हैं कि और भी अच्छा करेगा। इसलिये उन के बारे में कोई जांच पड़ताल का सवाल नहीं है।

**Shri P. R. Chakraverti:** Will the Government indicate to us the nature of the scientific techniques that are being applied in the detection of crime?

**Shri Kapur Singh:** Except the dogs.

**Shri Lal Bahadur Shastri:** There are various methods. I would request the hon. Member to visit our forensic laboratory, the institute at Calcutta.

**Shri Heda:** Have the various measures that are being taken emerged as a result of some comprehensive plan in this regard, or are they the result of study of individual crimes?

**Shri Lal Bahadur Shastri:** I myself held a conference of the police officers in Delhi and had a long discussion on various matters. After the discussion we have a regular plan of work, and on the basis of that scheme of work, we are taking various steps.

**Shri Buta Singh:** What is the precise time lag between the registration and the actual detection of the crime?

**Shri Lal Bahadur Shastri:** I will give an example. In cases where the loss was between Rs. 100 and Rs. 250, the registration in 1961 was 1,520. Cases of this kind were generally not registered. In 1962, this number has gone up by 524, because all such cases are being registered now.

**Shri Sham Lal Saraf:** May I know whether one of the Deputy Inspectors-

General of Police working in Delhi was entrusted with the job of going into the question of crime as a whole and report to the Government and, if so, may I know what are the salient features of that report?

**Shri Lal Bahadur Shastri:** I am not aware of it. The Home Ministry did not ask the DIG of Delhi to go into this question, or consider the problems of crime as a whole and as to how it should be tackled. He might be doing it on behalf of his own department; but we have not entrusted him with that work.

**Shri Sham Lal Saraf:** For the information of the hon. Member, I may say that some articles appeared in the press sometime ago about this....

**Mr. Speaker:** Order, order. Shri Kachhavaia.

**श्री कछवाय :** पिछले कुछ वर्षों से गन्दी, बस्तियों में सट्टे का प्रभाव ज्यादा बढ़ता जा रहा है और उसके कारण गन्दी बस्तियों वालों को कार्फ, परेशानि होती है और दिल्ली पुलिस उन पर बराबर काबू नहीं कर पायो है। क्या इसका यह मतलब है कि पुलिस उनसे कुछ रुपया ले लेती है? यदि हां, तो इसके लिये हमारी सरकार क्या करना चाहती है ?

कोई उत्तर नहीं दिया गया।

**Shri R. S. Pandey:** May I know whether the Government have got any data showing the percentage of those persons who are regularly committing offences and going to jail again and again? I mean the habitual offenders.

**Shri Lal Bahadur Shastri:** I cannot give that figure.

**श्री तुलशी दास जाधव :** ये जो अपराध बढ़ रहे हैं उनका कारण लोगों की बेकारी भी है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या इस बेकारी को कम करने के लिये और उन लोगों को काम देने के लिये सरकार कोई इन्तिजाब कर रही है ?

**श्री लाल बहादुर शास्त्री :** काम का सबाल तो बहुत बड़ा है। सारा प्लान है और डेवेलपमेंट है। इनके अन्दर लोगों को काम मिलेगा और उनको काम करना चाहिये।

**Shri Balakrishnan:** It appeared in the papers that a man was recently arrested in New Delhi on suspicion that he was practising cannibalism. I want to know whether any enquiry was made in that connection and, if so, what was the result of that enquiry.

**Mr. Speaker:** It does not arise here. Shrimati Savitri Nigam.

**Shrimati Savitri Nigam:** May I know whether any incentive is being given to those policemen who have been successful in detecting crimes and if the answer is in the affirmative, what are those incentives?

**Shri Lal Bahadur Shastri:** Firstly, it is the duty of the police; whether they get any special incentive or not, they must do their duty. Secondly, we do give prizes, and certain awards also like the police medal, etc., to those who do their work well.

इंडिया आफिस लाइब्रेरी

+

{ श्री विभूति मिश्र :  
श्री महेश्वर नायक :  
श्री प्र० रं० चक्रवर्ती :  
\*८०४. { श्री प्र० के० देव :  
श्री इन्द्रजीत गुप्त :  
श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :

क्या वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इंडिया आफिस लाइब्रेरी, लन्दन के सम्बन्ध में ब्रिटिश सरकार से अब तक कोई अन्तिम समझौता हो गया है ;

(ख) यदि हां, तो उनकी शर्तें क्या हैं ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके कब तक हो जाने की आशा है ?